बच्चों के प्यार में निराकार से बनता हूँ साकार
मेरे लिए तुम भी बन जाओ साकार से निराकार
बनकर निर्विकारी चुकाओ मेरे प्यार का रिटर्न
इस पतित विकारी दुनिया से अब ले लो यू टर्न
निराकारी बनकर बाप का साक्षात्कार कराओ
आत्मस्मृति के बल से विघ्नों के बादल हटाओ
धारण करो अपने अंदर अंगद समान अचलता
भरते ही जाओ खुद में महावीर समान सबलता
नहीं कर पायेगी कोई परिस्थिति तुम पर वार
हार मानकर वो करेगी तुम्हारे आगे नमस्कार
एक बल एक भरोसे पर खुद को चलाते जाओ
हर आत्मा के जीवन में ज्ञान की ज्योत जलाओ
एक बाप के संग के रंग में खुद को रंगते जाओ
अपनी प्यारी सूरत में बाप के गुण झलकाओ
सहज रास्ता बना बनाया इस पर चलते जाओ
याद करो बाबा को सबको याद दिलाते जाओ
ॐ शांति